<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
# <u>पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)</u>

## <u>सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन</u>

पंतनगर। 16 मई 2023। विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों के योगदान नामक शीर्षक पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों के योगदान के बारे में अवगत कराना था। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डा. अल्का गोयल, अधिष्ठात्री गृहविज्ञान महाविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि श्री मुकेश कुमार आर्य, सब डिविजनल अभियन्ता थे। भारत सरकार द्वारा जनजातिय गौरव दिवस के रूप में घोषित किया गया है। अनुसूचित जनजाति भारत की कुल जनसंख्या का 7.5 प्रतिशत है। इस जाति से जुड़े समाज को अधिकतर आदिवासी कहा जाता है। यह जनजातियां भारत में आंध्र प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, जम्मु एवं कश्मीर, झारखण्ड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, उड़ीसा, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल एवं अण्डमान और निकोबार में निवास करती है।

श्री मुकेश कुमार आर्य ने महान जनजाति नायक बिरसा मुन्डा के भारत की आजादी पर योगदान पर प्रकाश डाला एवं सभी छात्र–छात्राओं को अपने जीवन में विकास के पथ पर अग्रसर रहने को कहा। डा. सोनू रानी, राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी ने रानी गाइदिन्ल्यू के योगदान पर प्रकाश डाला एवं छात्र–छात्राओं हेतु सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के आर्थिक उत्थान हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया। डा. अल्का गोयल द्वारा विभिन्न जनजाति नयकों के भारत के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान के बारे में छात्र–छात्राओं को अवगत कराया। इस कार्यक्रम में डा. शहनाज जहां, डा. छाया एवं डा. अभीक टी. खरतगीर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कुल 75 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

*कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान करते अधिकारी।*